विद्या भारती द्वारा निर्धारित
सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक गीत

संस्कृत गीत
राग - भूपाली (ताल कहरवा)

राष्ट्र भक्तिं करणीयम्। देश हितं आचरणीयम्।।
सन्मार्गे नित चलनीयम्। मातृ हितं शुभ करणीयम्।।

1. श्रेष्ठ जनाः आदरणीयम्। सतगुरू शरणम् गमनीयम्।।
सत्यं वचनं वदनीयम्। प्रगति पथे नित चलनीयम्।
राष्ट्र भक्तिं करणीयम्। देश हितं आचरणीयम्।।
सन्मार्गे नित चलनीयम्। मातृ हितं शुभ करणीयम्।।

2. ऋषि मुनि धरणी सुखनीयम्। परोपकारम् करणीयम्।।
प्रतिदिन प्रभु स्मरणीयम्। लोक हितं आचरणीयम्
राष्ट्र भक्तिं करणीयम्। देश हितं आचरणीयम्।।
सन्मार्गे नित चलनीयम्। मातृ हितं शुभ करणीयम्।।

रचनाकार
श्रीमती मधुबाला जी
गायन स्वर- श्री विनोद कुमार द्विवेदी
मोबाइल-9839206875

विद्या भारती द्वारा निर्धारित
सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक गीत
प्राथमिक कक्षाओं हेतु

सरस्वती के पावन आँगन की, हम गुन्जित किलकारी।
भारत भाल सजाने वाले, नन्हीं-नन्हीं फुलवारी।।

1. सात स्वरों से साज सजाकर, राज दिलों पर करते हैं।
नटखट चाल-चलन बोली से, सबके मन में रहते हैं।।
मातु-पिता गुरू आज्ञा पालन, श्रद्धा सेवा धारी।
भारत भाल सजाने...........................।।

2. शेखर, बोस, जोरावर जैसे देश धर्म के सेनानी।
राष्ट्र की रक्षा पर बलि जाएं सूर वीर हम बलिदानी।।
रोम-रोम में देश की सेवा, की निकले चिनगारी।
भारत भाल सजाने...............................।।

3. ऊँच-नीच का भेद मिटाकर आगे बढ़ते जायेंगे।
हिल-मिल कर सब काम करेंगे अपना धर्म निभायेंगे।।
वैभव होगा भारत माँ का हम लें जिम्मेदारी।
भारत भाल सजाने...........................।।

रचनाकार
श्री बाल कृष्ण शर्मा
महाकौशल प्रान्त, मध्य क्षेत्र
मोबाइल-9893214424

विद्या भारती द्वारा निर्धारित
सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक गीत
माध्यमिक कक्षाओं हेतु

जग में सुन्दर देश हमारा, इसकी छटा है सबसे प्यारी।
वीर भूमि यह धीर भूमि यह, इसकी महिमा सबसे न्यारी।।

1. ईश्वर मानव बनकर आये, राम-कृष्ण का रूप बनाये
धर्म स्थापना करने जग में, सुन्दर-सुन्दर खेल रचाये
उनके कामों की सुगन्ध से, महकी धरती की हर क्यारी।।
जग में सुन्दर..

2. गौरवशाली गाथा अपनी, मातृभूमि हित मर मिट जायें
विनय शीलता साहस हम में धैर्य पराक्रम को अपनायें
वन्दनीय है पूजनीय है भारत भूमि हमारी।।
जग में सुन्दर..

3. वीर शिवा, राणा, सुभाष और भगत सिंह से बलिदानी
सीता, सावित्री, माँ दुर्गा, लक्ष्मीबाई मर्दानी
भारत माता की जय-जय हो बोले दुनिया सारी।।
जग में सुन्दर..

रचनाकार
श्री रूपकिशोर शर्मा
संगीत संयोजक, ब्रज प्रान्त
पश्चिम उ0प्र0 क्षेत्र
मोबाइल- 9412406172,
9568979559